Total Pages : 3 Roll No. .....

MAHL-102

मध्यकालीन कविता

M.A. Hindi (MAHL-12/16/17)

First Year, Examination 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. राम भक्ति काव्यधारा के प्रमुख कवियों व मुख्य प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

2. कबीर के रहस्यवाद का स्वरूप निर्धारित कीजिए।

3. 'तुलसीदास का काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है', इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4. केशवदास के महाकाव्य 'रामचन्द्रिका' की संवाद-सौष्ठन की दृष्टि से समीक्षा कीजिए।

5. मतिराम के रचनाओं का परिचय देते हुए, उनके काव्य में अनुभूति तथा अभिव्यक्ति पक्ष की विवेचना कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. भक्तिकाल की सामाजिक पृष्ठभूमि की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

2. सूरदास की भक्ति-भावना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

3. प्रेममार्गी काव्य परम्परा में जायसी के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

4. संत नानक की भक्ति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

5. 'रीति बद्ध', 'रीतिसिद्ध' व 'रीतिमुक्त' काव्यधारा में अंतर स्पष्ट कीजिए।

6. बिहारी के काव्य में अलंकार-योजना की संक्षिप्त समीक्षा कीजिए।

7. घनानन्द के काव्य के अनुभूति पक्ष पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

8. मीरा की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।